पहले दिन ही 1 .4 लाख वार्षिक टोल पास बिके

ऐप पर एक साथ 25 हजार तक उपयोगकर्ता सक्रिय

वार्षिक टोल पास योजना गुरुवार आधी रात से लागू

नई दिल्ली 17 अगस्त. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वार्षिक टोल पास शुरू होने के पहले ही दिन लगभग 1.4 लाख उपयोगकर्ताओं ने इसे खरीदा है, और राष्ट्रीय राजमार्गों व द्रुतगामी मार्गों पर टोल प्लाज़ा पर भी इसी तरह के लेनदेन दर्ज किए गए हैं. यह टोल पास योजना गुरुवार आधी रात से लागू की गई थी.

प्राधिकरण ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों और द्रुतगामी मार्गों पर लगभग 1,150 टोल प्लाज़ा इन पासों को संसाधित कर रहे हैं. प्राधिकरण ने कहा, किसी भी समय लगभग 20,000-25,000 समवर्ती उपयोगकर्ता 'राजमार्गयात्रा' अनुप्रयोग का उपयोग कर रहे हैं और वार्षिक पास उपयोगकर्ताओं को टोल शुल्क की शून्य कटौती के लिए संदेश प्राप्त हो रहे हैं.

> यह वार्षिक पास 3,000 रुपये के एकमुश्त शुल्क भुगतान के माध्यम से बार-बार पुनर्भरण की आवश्यकता को समाप्त करता है, जिसकी वैधता एक वर्ष या 200 टोल प्लाज़ा पार करने तक है. यह पास सभी गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए वैध टोल टैग के साथ लागू है और 'राजमार्गयात्रा' अनुप्रयोग या एनएचएआई की वेबसाइट के माध्यम से शुल्क भुगतान के दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है.

हाईवे प्राधिकरण ने यह भी बताया कि पास उपयोगकर्ताओं के लिए सुचारु यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक टोल प्लाज़ा पर अधिकारियों को तैनात किया गया है.

एनएचएआई ने कहा, एनएचएआई विभिन्न माध्यमों के द्वारा पास उपयोगकर्ताओं के प्रश्नों का समाधान कर रहा है. पास उपयोगकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए, 1033 राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन नंबर को 100 से अधिक अधिकारियों को जोड़कर और मजबूत किया गया है.

भारत में टैबलेट बाजार में जबरदस्त उछाल

30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एप्पल दूसरे स्थान पर | **27 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सैमसंग दूसरे स्थान पर**

नई दिल्ली 17 अगस्त. साइबरमीडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 तिमाही में भारत के टैबलेट पीसी बाजार में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. इस दौरान, एपल ने लगभग एक-तिहाई बाजार हिस्सेदारी के साथ अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है.

सीएमआर की नवीनतम टैबलेट पीसी इंडिया मार्केट% रिपोर्ट बताती है कि जून 2025 तिमाही में भारतीय बाजार में एपल के आईपैड की आपूर्ति में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने 2025 की दूसरी तिमाही में भारत के टैबलेट बाजार में 30 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ अग्रणी स्थान बनाए रखा. यह तिमाही-दर-तिमाही 78 प्रतिशत और साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि से समर्थित है. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रदर्शन मुख्य रूप से नए लॉन्च किए गए द्वक्कुस्त्र 11 सीरीज की मजबूत मांग से प्रेरित था, जिसकी इस तिमाही में एपल की कुल शिपमेंट में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. साथ ही, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों चैनलों पर बेहतर उपलब्धता ने भी इसमें योगदान दिया.

लेनोवो की बाजार हिस्सेदारी साल-दर-साल 16 प्रतिशत पर स्थिर रही, हालांकि भारत के बाजार में टैबलेट पीसी की आपूर्ति में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

सैमसंग की आपूर्ति में 15 प्रतिशत की वृद्धि

सैमसंग ने एपल के बाद दूसरा स्थान हासिल किया, जिसकी आपूर्ति में साल-दर-साल 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई और रिपोर्ट की गई तिमाही में इसकी बाजार हिस्सेदारी 27 प्रतिशत रही. रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी के विस्तृत पोर्टफोलियो ने इसे किफायती और एंटरप्राइज़ दोनों खंडों में प्रदर्शन बनाए रखने में सक्षम बनाया. गैलेक्सी टैब ए 9 प्लस 5जी प्राथमिक योगदानकर्ता था, जो सैमसंग की इस तिमाही में टैबलेट शिपमेंट का 81 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है.

टॉप-10 कंपनियों में उतार-चढ़ाव

एसबीआई को बड़ी बढ़त, एलआईसी को घाटा

मुंबई, 17 अगस्त (वार्ता) शेयर बाजारों में बीते सप्ताह लौटी तेजी से बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल पाँच कंपनियों का बाजार पूँजीकरण (एम-कैप) 60,675 करोड़ रुपये बढ़ गया. वहीं, अन्य पाँच कंपनियों का एम-कैप 39,610 करोड़ रुपये कम हुआ.

उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, सप्ताह के दौरान शेयर में 2.75 प्रतिशत उछाल के कारण भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 20,445 करोड़ रुपये बढ़ा. इसी प्रकार एचडीएफसी बैंक का एम-कैप 14,083.51 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 9,887 करोड़ रुपये बढ़ गया. भारती एयरटेल के एम-कैप में 8,411 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एम-कैप में 7,849 करोड़ रुपये की साप्ताहिक बढ़त रही.

बाजार पूंजीकरण में सप्ताह के दौरान सबसे अधिक नुकसान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ. उसका एमकैप 15,306 करोड़ रुपये घट गया. बजाज फाइनेंस का एम-कैप 9,601 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 6,513 करोड़ रुपये कम हुआ. टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 4,558.79 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलिवर का 3,630 करोड़ रुपये घट गया.

बाजार पूंजीकरण के मामले में गत शुक्रवार को कारोबार की समाप्ति पर 18,59,023 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही.

रुपये में दो पैसे की मजबूती

मुंबई, 17 अगस्त (वार्ता) घरेलू शेयर बाजारों में लौटी तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के फिर लिवाल होने से बीते सप्ताह रुपये में भी साप्ताहिक तेजी दर्ज की गयी. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के अवकाश के कारण गत सप्ताह चार दिन ही कारोबार हुआ. इस दौरान भारतीय मुद्रा उतार-चढ़ाव से गुजरती हुई दो पैसे की मजबूती के साथ 87.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई. इससे पहले के सप्ताह में रुपया 0.49 प्रतिशत टूटकर 87.59 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था.

शेयरों बाजारों की साप्ताहिक तेजी से रुपये को समर्थन मिला. गत सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में करीब एक प्रतिशत की बढ़त देखी गयी. इसके अलावा बैंकों ने भी डॉलर की बिकवाली की जिससे रुपये को समर्थन मिला.

नोएडा में सैमसंग ने शुरू किया लैपटॉप निर्माण

कंपनी और कई डिवाइस बनाने की योजना पर कर रही काम

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सैमसंग अधिकारियों संग की बैठक

नयी दिल्ली, 17 अगस्त. दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने भारत में ग्रेटर नोएडा स्थित अपने कारखाने में लैपटॉप बनाना शुरू कर दिया है. मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह जानकारी दी.

कंपनी पहले से ही ग्रेटर नोएडा स्थित अपने कारखाने में मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच और टैबलेट बना रही थी. अब इसमें लैपटॉप भी शामिल हो गया है. एक सूत्र ने बताया, 'सैमसंग ने अपने विनिर्माण पोर्टफोलियो का विस्तार किया है.

कंपनी ने ग्रेटर नोएडा स्थित कारखाने में लैपटॉप बनाना शुरू कर दिया है. सैमसंग की योजना भारत में और भी कई उपकरण बनाने की है.''

> केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को सैमसंग के बड़े अधिकारियों से मुलाकात के बाद कहा था कि सैमसंग भारत में अपनी प्रतिभा और नवोन्मेषण के जरिये आधुनिक प्रौद्योगिकी वाले उपकरणों का विनिर्माण बढ़ा रही है. केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी जेबी पार्क और सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के कॉरपोरेट उपाध्यक्ष एस पी चुन के साथ बैठक के बाद शनिवार को कहा, ''सैमसंग भारत में अपने उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरणों के विनिर्माण का विस्तार जारी रखे हुए है.'' काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग मूल्य और मात्रा के हिसाब से भारत की दूसरी सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी है.

ग्रामीण भारत तक पहुंचेंगे स्वदेशी एआई मॉडल

विदेशी एलएलएम से नहीं पूरी हो पाती जरूरत

सर्वम् एआई को मिला स्वदेशी मॉडल का जिम्मा

नयी दिल्ली, 17 अगस्त (वार्ता) प्रौद्योगिकी और ऐप आधारित सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियां अब देश के अंदरूनी हिस्सों यानी %भारत% तक पहुंच बनाने के लिए स्वदेशी लार्ज लैंग्वेज मॉडल की तलाश में हैं और वैश्विक कंपनियों के साथ घरेलू कंपनियों से भी समझौते कर रही हैं.

देश के छोटे शहरों और ग्रामीण इलाके के लोग ऐप का इस्तेमाल करते समय या इंटरनेट पर प्रश्न पूछते समय अपनी मातृभाषा में ज्यादा सहज महसूस करते हैं. इसके अलावा, यदि वे हिंदी या अंग्रेजी बोलते भी हैं तो उसका अंदाज देशी होता है जिससे विदेशी एलएलएम के लिए उनकी बात को सही ढंग से समझ पाना आसान नहीं होता. यही कारण है कि कंपनियाँ स्वदेशी एलएलएम की तरफ रुख कर रही हैं.

हाल ही में छुट्टियों की प्लानिंग के लिए बहुभाषाई जेनरेटिव एआई सहायक लॉन्च करने वाली मेकमाई ट्रिप के मुख्य तकनीकी अधिकारी संजय मोहन ने यूनीवार्ता को बताया कि फिलहाल इसे हिन्दी और अंग्रेजी में शुरू किया गया है आगे जाकर इसमें और भी भाषाओं को जोड़ने की योजना है.

> सॉकेट एआई को देश का पहला 120 अरब पैरामीटर वाला ओपन-सोर्स फाउंडेशन मॉडल विकसित करने की जिम्मेदारी दी गयी है जो रक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र के लिए देश की भाषाई विविधता के अनुकूल हो. ज्ञानी एआई को 14 अरब पैरामीटर पर आधारित वॉइस एआई फाउंडेशन मॉडल विकसित करने की जिम्मेदारी मिली है जो बहुभाषाई होगा और वास्तविक समय में बोली गयी बात को प्रोसेस कर सकता है. गण एआई नामक कंपनी 70 अरब पैरामीटर वाला एक बहुभाषाई फाउंडेशन मॉडल बनायेगी जिसका लक्ष्य सुपरह्युमन टीटीएस क्षमता विकसित करना है जो मौजूदा समय के किसी भी दूसरे मॉडल से बेहतर होगा.

जीएसटी सुधारों का सीआईआई ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर की घोषणा

नई दिल्ली, 17 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से घोषित आगामी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का भारतीय उद्योग परिसंघ ने गर्मजोशी से स्वागत किया है. संगठन ने इन सुधारों को दूरदर्शी और समयानुकूल कदम बताया है, जो भारत की तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने में मदद करेगा.

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने एक बयान में कहा, भारतीय उद्योग की ओर से, सीआईआई प्रधानमंत्री की अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की दूरदर्शी घोषणा का स्वागत करता है. यह ऐतिहासिक कदम एक सरल, अधिक पारदर्शी और विकासोन्मुख कर व्यवस्था बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उद्योगों को सशक्त करेगा और उपभोक्ताओं को भी लाभ पहुंचाएगा.

समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रधानमंत्री ने जीएसटी ढांचे में व्यापक बदलावों की समीक्षा और सिफारिश करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की है. सीआईआई ने इसे समय पर और दूरदर्शी कदम बताया है.

> उद्योग संगठन ने कई लंबे समय से रखी जा रही सिफारिशों के स्वीकार होने पर संतोष जताया है. इसमें प्रणाली को सरल बनाने के लिए दो-दर संरचना की ओर बदलाव और अवगुण वाली वस्तुओं के लिए अलग दर शामिल है. सीआईआई ने विनिर्माण में उलटी शुल्क संरचना को सुधारने, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए अनुपालन आवश्यकताओं को कम करने और निवेशक विश्वास बढ़ाने के लिए स्थिर कर दरों के आश्वासन का भी समर्थन किया.

सीमेंट बिक्री में उछाल

अल्ट्राटेक की बिक्री 3 .68 करोड़ टन

नयी दिल्ली, 17 अगस्त. महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर बढ़ते सरकारी खर्च की वजह से चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में प्रमुख सीमेंट कंपनियों की बिक्री दो अंक यानी 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है. वहीं इस दौरान इन कंपनियों की आमदनी में भी इजाफा हुआ है.

सीमेंट विनिर्माताओं को उम्मीद है कि पूरे चालू वित्त वर्ष में यह रुख जारी रहेगा.

इसके अलावा कम उत्पादन लागत, जैसे कोयला और पेटकोक की कीमतों में गिरावट, और स्थिर डीजल लागत ने कंपनियों की कर-पूर्व आय सुधारने में मदद की है. सीमेंट कंपनियों को 2024-25 में कठिन दौर का सामना करना पड़ा था.

प्रमुख सीमेंट विनिर्माता अल्ट्राटेक सीमेंट की बिक्री जून तिमाही में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.68 करोड़ टन रही है. इसे इंडिया सीमेंट्स और केसोरम इंडस्ट्रीज के सीमेंट कारोबार के अधिग्रहण से मदद मिली है.

कांग्रेस का आपसी विवाद पहुंचा दिल्ली दरबार

राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से की केदार पर कार्रवाई की मांग

नागपुर. जिले में कांग्रेस के केवल एक ही गुट को प्रोत्साहित करने का खामियाजा पार्टी बढ़ती गुटबाजी के रूप में अब भुगत रही है. विधानसभा चुनाव में जिले में पार्टी की करारी हार के बाद पूर्व मंत्री सुनील केदार गुट को ही आगामी स्थानीय निकाय चुनाव की जिम्मेदारी प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सौंपी है. केदार गुट के अश्विन बैस को जिलाध्यक्ष बनाया गया है.

उसके बाद से पार्टी के सीनियर पदाधिकारियों में भारी रोष देखा जा रहा है. यह गुस्सा अब दिल्ली दरबार पहुंच गया है. पूर्व प्रदेश महासचिव मुजीब पठान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर केदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. पठान के नेतृत्व में पहले बूटीबोरी में मोर्चा निकाला गया था और अब उन्होंने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि केदार जिले में पार्टी व संगठन को डुबोने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए.

चला रहे मनमानी

जिले में पूर्व राज्यमंत्री राजेन्द्र मुलक के जिलाध्यक्ष रहते हुए जिले में कांग्रेस की एकता का दिखावा किया गया लेकिन उनके बाद नये जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होने के बाद फिर बवाल मचा हुआ है. जिले में केदार पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए पठान ने कहा है कि मुझे भले ही कार्यकारिणी में स्थान नहीं दिया गया लेकिन उनके जैसे अनेक निष्ठावान कार्यकर्ताओं को साइड कर दिया गया है.

पुराने व सक्रिय कार्यकर्ताओं में नाराजगी- आरोप लगाया कि वे पार्टी हित न देखते हुए निकाय चुनावों में केवल अपने समर्थकों को उम्मीदवारी देते हैं. यही कारण है कि अब केदार के करीबी व पार्टी के निष्ठावान पार्टी छोड़कर जा रहे हैं. प्रदेश कार्यकारिणी में उनके ही समर्थकों को शामिल किया गया जिससे पुराने व सक्रिय कार्यकर्ताओं में नाराजगी है.

'दाल की नगरी' से बाहुबली राजनीति तक

बदलते समीकरण और नई सियासी जंग

पटना. बिहार की राजनीति में मोकामा विधानसभा सीट का नाम लेते ही दाल की महक और बाहुबली राजनीति की कहानी साथ-साथ चलती है. कभी बड़े सरकार दिलीप सिंह, फिर सूरजभान सिंह और अब छोटे सरकार अनंत सिंह-पिछले तीन दशकों में यहां की सत्ता का चेहरा हमेशा बाहुबली छवि से तय हुआ है. लेकिन 2025 का चुनाव सिर्फ ताकत के प्रदर्शन का नहीं, बल्कि बदलते समीकरण, नए मुद्दों और मतदाताओं के बदलते रुझान का भी इम्तिहान होगा.

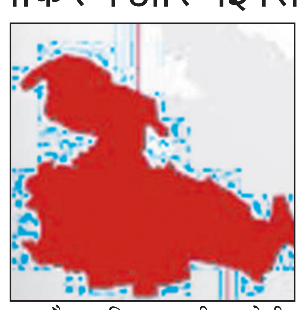

मौजूदा विधायक नीलम देवी ने मैदान से किनारा कर लिया है, जबकि उनके पति अनंत सिंह ने इस बार जेडीयू से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. यह कदम मोकामा के सियासी समीकरण को उलट-पुलट करने वाला साबित हो सकता है. अब मुकाबला सिर्फ आरजेडी बनाम जेडीयू नहीं रहेगा, बल्कि इसमें जनसुराज और स्थानीय बाहुबली समर्थक उम्मीदवारों की एंट्री से मुकाबला त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय हो सकता है.

काफी दिलचस्प होगा चुनावी मुकाबला- मोकामा 2025 की लड़ाई सिर्फ उम्मीदवारों की नहीं, बल्कि विचारधाराओं की भी है-क्या मतदाता बाहुबल और परंपरागत जातीय समीकरणों को दोहराएंगे या किसी नए राजनीतिक अध्याय की ओर कदम बढ़ाएंगे?

पंचायत चुनाव की उलटी गिनती शुरू

परिसीमन रिपोर्ट से जुड़ी अहम खबर आई!

जयपुर. राजस्थान में पंचायती राज और स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं. मंत्रिस्तरीय समिति ने ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के परिसीमन की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है.

जानकारी के अनुसार, यह रिपोर्ट अब जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सौंपी जाएगी. इस प्रक्रिया के तहत नई ग्राम पंचायतों के गठन के लिए 2,000 से 3,000 प्रस्ताव और पंचायत समितियों के लिए 115 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं.

परिसीमन में देरी से बढ़ा असंतोष - राज्य सरकार ने परिसीमन की प्रक्रिया को 4 जून तक पूरा करने का लक्ष्य रखा था लेकिन समय सीमा बीतने के 2 महीने बाद भी पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों की तारीखें अब तक तय नहीं हो सकीं. प्रदेश की 6,500 से अधिक ग्राम पंचायतों और 50 से ज्यादा नगर निकायों का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका है. जनवरी 2025 में पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद सरकार ने सरपंचों को प्रशासक नियुक्त किया था, जिसे राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है.

विशेष सियासी हलचल हो गई तेज और कयासों का बाजार हुआ गर्म

बाहुबली अनंत सिंह के घर क्यों पहुंचे मंत्री अशोक चौधरी?

पटना. जेल से बाहर निकलने के बाद बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर चुके मोकामा के पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह लगातार चर्चा में बने हुए हैं. रक्षाबंधन के मौके पर सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद मंगलवार की सुबह मंत्री अशोक चौधरी अचानक अनंत सिंह के घर पहुंच गए. सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री के अनंत सिंह के घर पहुंचने की खबर से सियासी हलचल तेज हो गई है और कयासों का बाजार गर्म है.

दरअसल, मोकामा के पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह इस बार जेडीयू के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं. उनके इस ऐलान के बाद मुलाकातों का दौर शुरू हो गया है. इसी बीच अनंत सिंह ने रक्षाबंधन के दिन मुख्यमंत्री आवास जाकर सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की. मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री अशोक चौधरी अनंत सिंह के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की है. इस दौरान दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक चर्चाएं भी हुईं. खासकर बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर गंभीर बातचीत हुई.

> मुलाकात के बाद अनंत सिंह मंत्री अशोक चौधरी को अपने आवास में बने तबेले में ले गए और यहां मौजूद लाखों रुपये के भैंसों को दिखाया. इससे पहले, अनंत सिंह ने दो दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की थी. उसके बाद वे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से उनके आवास पर मिले थे. माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के टिकट को लेकर अनंत सिंह जदयू के बड़े नेताओं से लगातार संपर्क में हैं.